आभार महिला समिति छतरपुर

वार्षिक रिर्पोट–2015–16

ABHAR MAHILA SAMITI

Jahar Road Chhatarpur [M.P.]

E-Mail:amschhatarpur@gmail.com,2003abhar@gmail.com

Website:www.amschhatarpur.org

Tel is 07682-242315 09424344088

Legal Information about the organization

1	Registration No.	SC/4094 dated 18th July 2003
2	Area of working	All India urban, rural, tribal and others With a focus on Madhya Pradesh
3	FCRA No	0631180014
4	Planning Commission NGO Portal Unique ID	No.MP/2009/0014319
5	PAN No.	AABTA6299E
6	TAN NO.	BPLA04984A
7	12 A.	05/15
8	80G	5/16
8	Name of the Bank	State Bank of India, ADB Branch CHHATARPUR (M.P.)
9	Address	Jawahar Road, Chhatarpur-471001 Madhya Pradesh (India)
10	E-mail	abharmahila23@gmail.com pradeep_abhar@yahoo.co.in

11	**Contact**	**# 91-7682-242315, # 91-9424344088**
12	**Website -**	www.amschhatarpur.org

आभार एक नजर

आभार महिला समिति छतरपुर एक स्वंय सेवी संस्था है। जो जिले में विगत पिछले 14 वर्ष से समाज विकास व जनकल्याण के लिए प्रयास रत्र है। संस्था का उदय वर्ष 2003 में समाजिक कार्यकर्ता श्रीमति आषा देवी खरे ने ग्राम बिलेहरी जिला छतरपुर से की। उन्होने महिला हिंसा के विरुध /षिक्षा /स्वास्थ्य / बाल अधिकार /आजिविका/ जैसे मुद्धो पर कार्य करना प्रारम्भ किया। आभार महिला समिति छतरपुर जिसका कार्य क्षेत्र सम्पर्ण भारत है।

संस्था का उद्धेष्य समाज के ऐसे वर्ग के लिए कार्य करना है जो आज समाज की मुख्य धारा से वचित है या जिन्हे षासन की जनकल्याण कारियोजनाओ का लाभ नही मिल रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरुक व सगंठित कर कार्य करना ताकी वह आत्मनिर्भर होकर अपने अधिकारो की मागं स्व्यं करने लगे तथा समाज में आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके।

संस्था मुख्य रुप से कासा भोपाल के सहयोग से वर्ष 2009 से महिला सषक्तिकरण आजिविका जैसे मुद्धदो को लेकर कार्य करना प्रारम्भ किया और आज ग्राम स्तर पर महिलाऐ स्वंय का रोजगार कर अपने व अपने परिवार का सहारा वन कर ग्राम विकास मे अहम भुमिका तय कर रही है।

कार्यक्रम के अनुसार समाज में व्याप्त लिगं भेद को कम करने को लेकर जेन्डर विषय पर कार्य किया जा रहा है वही ग्राम की वास्तविक स्थिति को जानने के साथ षासन की जन कल्याण कारी योजना की लोगो तक पहुच व अन्य स्थिति पर सर्वे कार्य तथा आजिवका जैसे विषय को लेकर कार्य किया जा रहा है।

जिसमें ग्राम स्तर पर समाज में व्याप्त लिगं भेद को कम करने का प्रयास किया जा रहा वही ग्राम स्तर पर लोगो को ग्राम में ही रोजगार उपल्बध हो सके व लोगो को ग्राम ही रोजगार मिल सके ऐसा प्रयास संस्था द्धारा किया जा रहा है।

इस प्रकाषन का उद्धेष्य यह है कि संस्था द्धारा किये गये विकास कार्य के वारे में लोग जाने साथ ही इस कार्य में हमारे ग्रामीण समुदाय से के जुडे लोग जिसमें किसान भाई बहिन युवा साथी व सहयोगी सदस्य जब अपने वारे में लिखी गई वातो को जानेगे तथा उनके छायाचित्र लोगो देखेगे तथा जिला ब्लाक ग्राम स्तर पर इनकी चर्चा होगी तो उनको एक आत्म खुषी मिलगी साथ ही प्रषासनिक अधिकरी उनके वारे में जानेगे तो उनके साथ अन्य ग्रामीण लोगो को भी प्रोत्साहन मिलेगा षासन की जन कल्याण कारी योजनाओ से उनका और अधिक जुडाव हो सकेगा। वह दुसरो के लिए एक प्रेरणा का स्त्रोत बन सकेगे।

माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेष षासन श्री षिवराज सिह चोहान द्धारा जिले में उत्ष्कुट कार्य करने के लिए संस्था को वर्ष 2012.13 के लिए किया गया पुरुस्कृत ।

अध्यक्ष

ग्रामीण लोगो को मिला आय का सहारा

संस्था द्वारा परियोजना के कार्य क्षेत्र के 15 ग्रामो मे ग्राम के ऐसे वर्ग समुदाय के लिए चिन्हित किया गया जिसके पास आय को कोई सहारा नही है या जो लोग निषक्त है वेसहारा है ऐसे वर्ग समुदाय के लोगो का चयन किया गया और ब्लाक के 10 ग्रामो मे 10 लोगो को सुक्ष्म स्वरोजगार उपल्बध कराये गये जिसमे किराना की दुकान जनरल स्टोर मनहारी अण्डा मछली साईकिल रिपेरिगं जैसे दुकान लोग को खुलाई गई।

जैविक कृर्षी जागरुकता कार्यक्रम

जिले में जैविक कुर्षी को बढावा देने के प्रयास से ग्राम स्तर पर कुर्षी मेला का आयोजन किया गया जिसमें लोगो को जैविक कुर्षी के वारे मे वताया गया और लोगो को जैविक खादृय की आवष्यकता और उसके महत्व पर जानकारी दी गई। जैविक कुर्षी को बढावा मिले इसके लिए कुर्षी विभाग के सहयोग से लोगो को एक्सपोजर कराया गया जिसमें 35 किसानो ने सात दिवस तक जैविक कृर्षी के वारे मे जाना व उसकी वारिकीयो को देखा और आज कई किसान इसका प्रयोग अपने स्तर पर कर रहे है।

क्षय रोग जागरुकता अभियान

इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम स्तर पर लोगो को टी.बी. की बिमारी के वारे मे वताया गया तथा जो लोग पहले से इस विमारी से ग्रस्त है उनका नियमित परिक्षण कराने का प्रयास किया गया और स्लाईड तैयार कराई गई वही बिमारी से ग्रस्त व्यक्ति को नियमितद वा लेने के साथ दवा दिलाई गई और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से उन सभी व्यक्तीयो का वगंलम ले कर परिक्षण कराया गया व जानकारी दी गई`की किस तरह से यह बिमारी व्यक्ति को परेषान करती है और यह बिमारी परिवार मे अगर किसी को हो गई तो परिवार के दुसरे व्यक्ति को होने की पुरी सम्भावना वनी रहती है। और अगर व्यक्ति ने बिमारी के दोरान दवा खाना छोड दिया या रुक रुक कर दवा ली तो यह बिमारी और घातक हो ताजी है और एक वार यह बिमारी रजस्टेंष्न मेब इल गई तो व्यक्ति का बचाना मुषिकल हो जाता है और इसके ईलाज का खर्च काफी गुगिा है। इस तरह से इस बिमारी के प्रति लोगो को जागरुक किया गया और परिक्षण करा कर लोगो को बिमारी से मुक्त कराने का प्रयास किया गया।

सुचना के अधिकार के तहत किया गया जागरुकता कार्यक्रम

संस्था कार्यकर्त्ता विजय सक्सेना, ज्योति रैकवार, साबिर खान ग्राम के अन्य प्रतिभागी भी उपस्थित हुए। आगे विजय जी ने अपना परिचय और संस्था के बारे मे बताते हुए कहा कि हमारी संस्था आभार महिला समिति विगत् 15 वर्षो से लगातार ग्रामीण क्षेत्र मे कार्य कर रही है। जिसका मुख्य उद्द्वेष्य गरीबों को उनके अधिकार दिलाना एवं महिला सषक्तिकरण करना है। इसी क्रम मे आज की मीटिंग का आयोजन किया गया है। जिसका मुख्य उद्द्वेष्य जन समुदाय को आर.टी.आई. (सूचना का अधिकार) के प्रति जागरूक करना है जिससे लोग इस कानून के वारे मे जान पाये और उसको उपयोग कर अपने ग्राम मे हो रहे विकास कार्य आदि के वारे में विस्तार से जान पाये।

विजय जी ने बताया कि आप लोग सूचना के अधिकार के बारे मे जानते है कि इसके माध्यम से आप किसी भी विभाग से कोई भी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते है। जैसे अपने ग्राम मे जो मनरेगा के अन्तर्गत कार्य हो रहा है औेर आप लोगो को इस बात की कोई भी जानकारी नही होती है कि इस कार्य के लिए कितना पैसा आया था औेर किस काम मे कहां खर्च हुए इस प्रकार की समस्त जानकारी यदि आपको किसी विभाग से चाहिए या फिर कही पर आपकी फाइल लगी है औेर बार बार जानकारी लेने औेर पता करने के बाद भी यदि आपको जानकारी नही मिल रही है तो आप सूचना के अधिकार के तहत जानकारी प्राप्त कर सकते है। आगे गुमना आदिवासी ने पूछा कि इसमे कोई भी व्यक्ति किसी भी विभाग से जानकारी ले सकता है इसके लिए हमे कितना पैसा लगेगा व इसके लिए हमे क्या करना होगा। जिसमे निधि जी ने बताया कि यह एक कानून है। जिसे सरकार ने 2005 मे लागू किया था। जिसमे कोई भी आम व्यक्ति सरकारी विभाग से किसी भी तरह की जानकारी ले सकता है। इसके अन्तर्गत उस विभाग को लिखित मे जानकारी देनी होगी।

साबिर जी ने इस अधिकार की उपयोगिता एवं महत्व के बारे मे विस्तार से बताते हुए कहा कि इसके अन्तर्गत किसी भी विषय, संचालित योजनाओ का सम्पूर्ण कार्य विवरण और अन्य आवष्यक जानकारी सरलता पूर्वक प्राप्त किया जा सकता है। जैसे पंचायत द्वारा जानकारी मे पांच हैण्डपम्प लगवाये गये है लेकिन वास्तव मे एक भी हैण्डपम्प नही लगवाया गया कितना पैसा आया कितना खर्च हुआ किन लोगो ने काम किया इस तरह की तमाम जानकारी एक माह की अन्दर आपको लिखिल मय प्रमाणित हस्ताक्षर के दी जायेगी। इसके लिए दो तरीके है एक यह की आपको जिस विभाग से जानकारी चाहीए उस विभाग मे जाये और सुचना के अधिकार कानून के तहत आवेदन करे और 10 रुपये की रसीद कटाये नही तो एक 10 रू का स्टांप पेपर ले उस और उस पर सूचना का अधिकार आवेदन पत्र भरे और उस स्टाम पेपर कें साथ डाक से उस विभाग को भेज दे। 30 दिन अन्दर आपको पत्र के माध्यम से जानकारी भेजी जायेगी या सुचना दी जायेगी की आप अपनी जानकारी प्राप्त कर ले। अगर 30 दिन के अन्दर विभाग जानकारी नही देता तो आप प्रथम अपील अधिकारी को आवेदन कर जानकारी माग सकते है। आपके द्वारा जो जानकारी मागी गई है। उसके प्रति 2 रुपयें की दर से प्रति पेंज षुल्क देना होता है अगर व बी.पी.एल कार्ड धारक नही है तो।मगर एक माह बीत जाने के वाद यह जानकारी निषुल्क दी जाती है।अगर प्रथम अपील में काई सुनवाई नही होती तो दूसरी अपील भोपाल को की जाती है जिसमें उक्त अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है।

अर्न्तराष्टिय महिला दिवस का आयोजन किया गया

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा दिनांक 08/03/2015 को ग्राम बरद्वाहा में अर्न्तराषिय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ग्राम के लगभग 145 लोग उपस्थित रहे जिसमें 76 महिला 69 पुरुष षामिल हुये संस्था से संस्था के वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रदीप खरे जी ज्योति रैकवार भावना अहिवार सुरेष अहिवार के अलावा महिला कानून की वरिष्ठ वकील व समाजिक कार्यकर्ता मीरा सिह ग्राम सरपंच उप सरंपच सचिव आगंनवाडी कार्यकर्ता कमला खरे /विध्या तिवारी

आषा कार्यकता तथा महिला वाल विकास सुपर वाईजर रेखा अहिवार पुलिस विभाग से उमांकात मिश्रा जी लोक कला सगीत के माध्यम से अपनी पहचान वनाने वाली गायका सुश्री निलम तिवारी व उनकी टीम मुख्य रुप से उपस्थित रही।

कार्यक्रम का आरम्भ प्रदीप जी ने अपने परिचय के साथ किया उसके वाद दीप /सरस्वती पुजन किया गया प्रदीप जी ने वताया की आप सभी जानते है कि आभार महिला समिति छतरपुर एक समाज सेबी संस्था है जो कि छतरपुर जिले की ईषानगर ब्लाक की 14 पंचायातो के 17 ग्रामो मे समाज विकास एवं जन कल्याण के लिए प्रयासरत है। संस्था का मुख्य उद्द्येष्य समाज के ऐसे वर्ग के लिए कार्य करना जो आज भी समाज की मुख्य धारा से बंचित है या जिन्हे शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ का लाभ नही मिल रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरूक व संगठित कर कार्य करना ताकी वह आत्मनिर्भर होकर अपने अधिकारो की मांग स्वयं करने लगे तथा समाज मे आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन यापन कर सके।

महिलाओ और पुरूषो मे अन्तर का मुद्दा बीसवी सदी से निरन्तर चर्चा मे बना हुआ है। महिलाओ की राजनीतिक, समाजिक, आर्थिक और परिवारिक स्थिति की भूमिका मे मुख्य रुप से समाज द्वारा निर्धारित कुप्रथाये/समाजिक परिवारिक स्थिति समाजिक लिंग भेद महिलाओ के विकास मार्ग मे अवरूध करने का मुख्य कारण दिखाई देता है जो पुरुष प्रधान समाज को अपने आप पर बडा खतरा या बाधा मानता है। जिस कारण आज हजारो महिलाऐ कही न कही बडी हिंसा या किसी न किसी रुप में प्रताडित हो रही है या समाज मे उनको वह स्थान नही मिल पा रहा जिसकी वह हकदार है।

दिन प्रतिदिन महिलाओ की संख्या मे हो रही गिरावट इस बात का साक्ष्य प्रमाण है कि महिलाओ को कानूनी एवं कागजी तोर पर चाहे जितने भी अधिकार और संरक्षण दिया गया हो लेकिन जमीनी स्थिति तो कुछ और ही है जो हम आप सभी अच्छी तरह से जानते है। आज भी हमारे समाज मे ऐसी कई महिलाऐ है जिन्होने बाहर कि दुनिया नही देखी है कह सकते है कि डोली मे उठ कर आती थी और अर्थी पर सवार हो कर पिया के घर से निकली जिन्हे पुरुष के वराबरी से बढने का अधिकार नही पति से पहले खाने का अधिकार नही, पर्दा प्रथा, पति के जागने से पहले उठना और सब लोगो के सोने के वाद सोना यह है बुन्देलखण्ड की महिला का जीवन और इससे भी अधिक प्रताडित है ग्राम की महिला।

इन आकडो के आधार पर अनुमान लगाया जा सकता है।

क्र	लिंगानुपात	वर्ष	
		वर्ष 2001	वर्ष 2011
1	भारत	933	940
2	मध्यप्रदेष	919	930
3	छतरपुर	869	884

आज समाज और देष तेजी से आगे बढ रहा है। लेकिन महिलाओ की स्थिति मे सुधार होने की अपेक्षा उसमे तेजी से गिरावट होती जा रही है। ऐसी स्थिति मे महिलाओ के हित मे काम करके इनकी स्थिति मे सुधार करना अपने आप मे चुनैती है और आज की आवाष्यकता ।

निलम तिवारी –कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी वनाने के लिए बुन्देल खणड की गायका निलम तिवारी व उनकी टीम के लोगो ने बुन्देली गीत संगीत के माध्यम से महिलाओ पर किये जा रहे अत्याचार व हिसा को रोकने के लिए समाज को जागरुक करने का प्रयास किया और अपने विचार रखे

ग्रामो में वनाया जा रहा है श्रम लेबर बजट

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा वर्ष 2015–16 का श्रम लेबर बजट तैयार किया जा रहा हैं जिसमें ग्राम मे विषेष ग्राम सभा के माध्यम से लोगो को इस कार्य के वारे मे जानकारी दी जा रही है वही लोगो को संधन भुमिका इस कार्य मे देखी जा रही हैं जिसमे लोगो ने अपने अपने ग्राम की समस्याओ को चिहिनत कर आगमी वर्ष मे किये जाने वाले कार्य को श्रम बजट मे दर्ज कराया वही ग्राम मे षोचालय निर्माण के लिए सेकडो लोगो ने आवेदन संस्था के माध्यम से लगाये है जो संस्था द्वारा जनपद पंचायत छतरपुर में प्रस्तुत किये जा चुके है।

विकंलाग स्वरोजगार कार्यक्रम

संस्था द्वारा संचालित स्वरोजगार योजना के अर्न्तगत 15 ग्रामें के 72 ग्रामीण विंकलाग बालक बालिकाओ को स्वरोजगार प्रषिक्षण का आयोजन किया गया जिसमे ग्राम के 45 महिला पुरुषो ने सहभागिता रही मोटर बाडिगं/लिफाफा/अगरवती निर्माण के साथ संस्था द्वारा ग्राम के ऐसे वर्ग समुदाय के लोगो को स्वरोजगार से जोडा गया ।वही विकंलाग अपने आपको असाहय सा मेहसूष न करे इसके लिए समाज कल्याण विभाग के सहयोग से 17 लोगो को ट्राई साईकिल वितरण उपल्बध कराई गई

वही विभाग द्वारा आयोजित सम्मेलन मे संस्था द्वारा सहयोग करते हुये ऐसे नव युवा वर्ग समुइाय के लडके लडकियों को पंजिकत कराया गया जो आथिक रुप से कमजोर है या जिन्का विवाह नही हो रहा ऐसे वर्ग समुदाय के लोगो को सामूहिक विवाह योजना के तहत पंजिकृत कराया गया और विवाह कराया गया।

ग्राम के लोगो मिलने लगा पानी।

आभार महिला समिति द्वारा विगत 5 वर्ष से ग्राम कुर्रा/बरा –पंचायत– कुर्रा मे महिला सशक्तिकरण को लेकर काम किया जा रहा है। वही जिले मे इस वर्ष भारी सुखे के कारण लोगो को जहा रोजगार नही खाने को नही है जानवरो को पानी नही लोगो को देनिक क्रियों के लिए पानी नही मिल रहा या काफी दुर से लोगो को पानी लाना पड रहा है। ऐसे मे संस्था द्वारा लोंगो के सहयोग से ग्राम से निकले नाले की साफ सफाई की योजना वनाई गई और ग्राम के लोगो द्वारा तय किया गया कि इस नाले का जो पानी व्यर्थ धीमे धीमे वह रहा है क्यो न इस का पानी उपयोग किया जाये ।और यहा से एक कार्य को दिशा प्रदान की गई जिसमें ग्राम के लगभग 55 महिला/पुरुषो ने मिल कर कार्य किया जिसमे 1 से 2 कि.लो. नाले की साफ सफाई की गई और पानी को एक जगह एकत्र करने के लिए 150 बोरी का नाले पर बोरी बंधान किया गया और वह रहे पानी को रोका गया। और आज वहा पर पर्प्यात पानी जमा हो गया है जिसे ग्राम के लोग देनिक क्रिया मे खुब उपयोग कर रहे है। जिससे लोगो मे काफी उत्साह है लोगो को बडी राहत मिली है। इस कार्य के बदले मे संस्था द्वारा लोगो के परिवारो को कपडे वर्तन और राहत सामग्री वितरण की गई जिसमें ग्राम सरपंच/सचिव व भारतीय जनता पाट्री के युवा अध्यक्ष श्री रविन्द्र दुवे व मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री वर्मन तथा ब्लाक समन्वयक श्री जडिया जी के अलवा संस्था के पदाअधिकारी गढ मुख्य रुप से शामिल हुये।

सर्वे रोजगार गांरटी कानून

संस्था द्वारा परियोजना के सहयोग से रोजगार गांरटी योजना से महिलाओ के जीवन पर समाजिक व आर्थिक रुप से क्या प्रभाव पडा को लेकर जिले की 15 पंचायतो कें 17 ग्रामो का अध्यन किया गया जिसमें प्रत्तयेक ग्राम मे 50 प्रतिषत परिवारो का सर्वे किया गया जिसमें अलग अलग तरह के प्रषनो के माध्यम से देखने का प्रयास किया गया कि क्या बदलवा आ रहा है या योजना से किस तरह का लाभ लोगो को मिल रहा है। जिसमें कुल 750 परिवारो का सर्वेक्षण किया गया।

अध्ययन से ज्ञात्र हुआ है कि लोगो को रोजगार गांरटी से ज्यादा कोई लाभ क्षेत्र मे नही हो रहा लोगो को इस काम मे ज्याद रुची नही है। महिलाओ की वात केर तो न के बरावर काम दिया जाता है मजदुरी मे भेदभाव समय पर भुकतान न होना काम न मिलना समय पर न मिलना जैसी समस्याऐ आम वात है । महिलाओ का माना है की योजना तो ठीक है पर कुछ लोगो के कारण योजना का लाभ पात्र लोगो को नही मिल पाता अगर सरपंच /सचिव की कार्य प्रणाली मे सुधार हो जाये या मजदुर वर्ग को सीधे काम से जोडा जाने लगे और भुकतान की प्रकिया मे

सुधार हो तो निषतिच है योजना से लोगो को लाभ होगा। ऐसा नही है कि लोगो को काम नही मिल रहा पर जिसको काम मिल रहा उसका ही कार्य हो रहा काम के दिन बहुत ही कम है ।

वेसे ग्रामों मे कुछ परिवारो को काम मिला और निरन्तर मिल रहा है उनको पैसा भी समय पर दिया जाता है जो सरपंच/सचिव अपने स्तर से भुकतान करते है और उनके खास है उनको लाभ मिला है पर जो लोग जरुरत मंद है या जो लोग पुरे परिवार के साथ ग्राम से ष्षहर को पलायान कर रहे उनको कोई काम नही व ऐसे मे रोंजगार गांरटी मे ग्राम काम करने वाले नही मिलते अरग स्थिति को सुधार दिया जाये तो किसी ग्राम से पलायान नही होगा लोगो को मजदुरी के लिए भटकना नही पडेगा। अगर योजना मे महिलाओ की भागेदारी को बढाना है तो कुछ चिजो मे सुधार करने की आवष्यकता है। जिससे इस योजना मे लोगो को विस्वास बडेगा महिलाओ की भागेदारी होगी और इस लोगो के जीवन मे वदलाव आयेगा।

नामंकुर योजना–जिला सम्मेलन

नामंकुर योजना के अर्न्तगत संस्था द्वारा 10 ग्रामों में समाज विकास कार्यक्रमो का संचालन विगत वर्षो से किया जा रहा है जिसमें आओ वनाये अपना मध्यप्रदेष के तहत कार्य किया जा रहा है जिसमें ग्राम स्तर पर भिन्न प्रकार की गतिविधियो का आयोजन के माध्यम से समाज मे जन जागरुकता के साथ स्वास्थ्य षिक्षा जल सरंक्षण कृर्षी को लाभ का धन्धा कैसे वनाये तथा षासन की जनकल्याण कारी योजनाओ का लाभ आम जनता को मिल सके ऐसा प्रयास इस योजना के अर्न्तगत किया जा रहा है। ग्राम स्तर पर गठित प्रस्फुटन समितियो को सषक्त कर ग्राम विकास मे उनकी संघन भुमीाका तय करना हमारा मुख्य प्रयास है।

बेटी बचाओ कार्यक्रम

देष व जिला स्तर पर आये दिन कम हो रही बेटियो की सख्या व बढती महिला हिसां को देखते हुय संस्था द्वारा जिले में बेटी बचाओ अभियान की षुरुआत की गई जिसमे जिले की विधायक श्रीमति ललिता यादव ने हरी झडी दिखा कर यात्रा की षुरुआत की गई ।जिसमे जिले के दो ब्लाक के 30 ग्रामों मे यह यात्रा निकाली गई। और यह संदेष देने का प्रयास किया गया की बेटीओ को समान अधिकार व समान षिक्षा मिले ऐसा ही प्रयास जिले के स्कूलो कोलेजो मे किया गया जिसके अर्न्तगत निबंध प्रतियोगिता, चित्र कला प्रतियोगिता भाषण /वादविवाद प्रतियोगिताओ का आयोजन कर बालिकाओ को पुरुस्कार वितरण किये गये। इसी कार्य को पुनः जिला स्तरीय आस फोरम के माध्यम से किया गया वितग माह मे किया गया जिसमे जिले की तमाम स्वंय सेवी संस्थाओ ने भागेदारी की।

स्वास्थ्य षिविर का हुआ आयोजन

जिले में अगर स्वास्थ्य सुविधाओ की वात करे तो जो स्थिति निकल कर सामने आती है वही काफी देयनीय है जहा पर बच्चे कुपोषित है बच्चो का नियमित टीकाकरण नही हो रहा वही महिलाओ मे खुन की कमी है ग्रामीण महिलाऐ लिकोरिया जैसी बिमारी से ग्रस्त है तो दुसरी ओर गर्भवती माताओ का नियमित स्वास्थ्य परिक्षण नही किया जाता न ही टीकाकरण हो रहा तो किषोरी बालिकाओ न ही स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है। ग्राम की ए.एन. एम नही आती बुर्जाको का ईलाज नही हो रहा कई लोग ऐसे है जो स्वास्थ्य सुविधाओ के अभाव मे दम तोड चुकी है। ऐसी स्थिति को देख कर संस्था द्वारा ग्रामों में षासकीय स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 43 स्वास्थ्य षिविरो का आयोंजन किया गया तथा मुफ्त मे दवा वितरण की गई व लोगो का नियमित स्वास्थ्य परिक्षण किया गया और गम्भीर लोगो को जिला या जिले के बाहर उपचार कराने की सलाह दी गईं।

किचिन ग्रार्डन कार्यक्रम

संस्था द्वारा आजिविका को ध्यान रखते हुये ग्राम स्तर पर समाज के ऐसे वर्ग समुदाय को जोडा गया जिसमें लोगो के पास खेती कम है या पानी की समस्या है ऐसे वर्ग समुदाय के लिए संस्था द्वारा चिनहित किया गया और लोगो

को किचिन ग्रार्डन से जोडने का प्यास किया गया ताकी लोगो एक ओर कुछ आय हो सके वही लोगो पोषण युकत भोजन मे ताजी व हरी सवजिया उपल्बध हो सके जिसमे 174 लोगो जोडा गया । जिसमे टमाटर / अदकर/ मिर्च/ गोभी / आलू / वेगन लोकी तरोई भीन्डी जैसी सवजी लगाकर लोगो को आजिविका देने का प्रयास किया गया

ग्राम सभा जागरुकता अभियान

पंयायत को और अधिक बल मिले और लोग ग्राम सभा के महत्व को जान सके इसके लिए संस्था द्वारा ग्राम सभा चलो अभियान चलाया गया जिसके लिए 15 पंचायत मे ग्राम रथ निकला गया और ग्राम स्तर पर जागरुकता बैठको का आयोजन किया गया जिसमें लोगो को ग्राम सभा की आवष्यकता तथा ग्राम सभा की कार्य वाही पर जानकारी दी गई और वताया गया की यह ग्राम सभा वर्ष मे चार वार ही होती है और प्रत्येक व्यक्ति इ समे हिस्सा ले सकता है और उसको अपनी वात रखने का पुरा अधिकार है साथ ही वह ग्राम मे किये जा रहे कार्य या ग्राम विकास मे कितना पैसा आया खर्च हुआ जैसी जानकारी भी देना व लें सकता है तो सभी लोग ग्राम सभा मे जाये और अपनी वात को रखे और ग्राम विकास मे अपनी संघन भागेदारी तय करे।

नशा मुक्ति के असवर पर की गई संगोस्ठी

आभार महिला समिति छतरपुर विगत पिछले 15 वर्ष से समाज विकास व जनकल्याण के क्षेत्र मे कार्य कर रही है जिसका मुख्य उद्धेश्य समाज में व्याप्त कुरीत्रियो तथा नशा से गस्त समाज को नशा मुक्त कराने के लिए प्रयास करना ।संस्था द्वारा समय समय पर जिले स्तर के साथ ब्लाक व ग्राम स्तर पर नशा विरोधी कार्यक्रमो का आयोजन किया जाता रहा है और किया जा रहा है जिसमें ग्राम समुदाय मिटिग तथा संगोष्ठी रेली जैसे कार्य संस्था द्वारा विगत वर्षो मे किये गये है साथ ही जन अभियान परिषद के सहयोग से भी ग्राम मे यह अभियान संस्था द्वारा चलाया गया साथ ही लोगो के शपथ पत्र भरवाये गये। जिसमें सेडको लोगो ने शपथ लेकर तमाखु गुटका शराब को छोडने का बचन लिया और समाज स्वच्छय समाज के साथ जी रहे है।

अलावा श्री उमेंश शुक्ला जी तथा नगर पालिका सी.एम.ओ मुख्य रुप से कार्यक्रम मे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम मे मुख्य रुप से ऐसे महिला पुरुषो ने सहभागिता रही जो शासन के सहयोग से अपना जीवन साथी चुन कर विवाह करना चाहते है । जिससे समाज मे वह एक जिम्मोदर व आर्दश जीवन जी कर आत्मसम्मानव आत्मनिर्भर होकर अपना जीवन यापन कर सके। इसके लिए संस्था द्वारा कई ऐसे युवा युवती के साथ जी सके। जिसके लिए संस्था द्वारा कई लोगो के पंजियन कराये गये साथ ही कार्यक्रम में पुर्ण सहयोग संस्था का रहा।

वृद्ध बुर्जक के साथ विकंलाक जनो का हुआ स्वास्थ्य परिक्षण

ग्राम मे स्वास्थ्य सुविधाओ की स्थिति को देखकर तय किया गया कि ग्राम मे लोगो के पास स्वास्थ्य सुविधाओ का अभाव है। लोगो का नियमित चैकप नही होता विकलांग जनो का स्वास्थ्य परिक्षण नही किया जाता ऐसे में संस्था द्वारा प्रयास किया गया कि ग्राम स्तर पर ही

लोगो को स्वास्थ्य सुविधाऐ मिल सके साथ ही लोगो का स्वास्थ्य परिक्षण हो सके इसके लिए ईसानगर स्वास्थ्य केन्द्र से सर्म्पक किया गया और ग्राम मे ही स्वास्थ्य शिरिव का आयोजन कर लोगो को मुफ्त दवा व परिक्षण किया गया ।जिसमें 200 लोगो ने सहभागिता कर शिविर का लाभ उठाया।

ग्रामो मे चलाया गया खादय सुरक्षा अभियान

संस्था द्वारा ग्राम रनगुवा, पिपराकला, पनोठा, अतरार, कदवा, पिपैराखुर्द, ग्रोची, हिम्मतपुरा मे बैठको के माध्यम से खाद्य सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस अभियान मे संस्था के कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप खरे, ज्योति रैक्वार, राखी अरजरिया, लक्ष्य समुदाय के लोग सहित ग्राम जन प्रतिनिधि सरपंच, सचिव, पंच सहित कुल 284 प्रतिभागी शामिल हुए जिसमे 87 महिला और 197 पुरूष प्रतिभागी है। बैठक मे लोगो को सामूहिक चर्चा के माध्यम से खाद्य सुरक्षा की स्थिति, वितरण व्यवस्था को चर्चा की गई और हो रही अनियमित्ताओ और कलाबाजारी को रोकने और व्यवस्थाओ मे सुधार करने के उद्द्धेश्य से आगामी रणनीति तैयार की गई। जिसके परिणाम स्वरूप ग्राम पिपैराकला के लोगो ने अपनी वितरण सम्बन्धि समस्या को खाद्य अधिकारी के सामने रखा। ग्राम अतरार के लोगो ने ब्लाक मे रातो रात विक रहे राशन को पकडाया। वही बरद्धहा के लोगो ने तहसीलदार के सामने कोटेदार को बदलने की बात रखी। परिणाम– कार्यक्रम के परिणामस्वरूप खादृय सुरक्षा योजना मे 02 ग्राम पिपैराकला और बरद्धहा मे राषन की वितरण व्यवस्था मे सुधार हुआ। लोगो को प्रत्येक माह सही मात्रा मे राषन उपलब्ध होने लगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से लक्ष्य समुदाय के 146 परिवारो को मासिक खाद्य उपलब्ध होने लगा है।

महिला समूह बेठक

प्रक्रिया– ग्राम के लक्ष्य समुदाय के साथ महिला मण्डल के गठन को लेकर मीटिंग का आयोजन किया गया। महिलाओ के साथ संगठन के महत्व, उपयोगिता, आवाष्यकता और आगामी समय मे किस तरह से जुड कर कार्य कर सकते है इसको लेकर चर्चा की गई। साथ ही सामूहिक रूप से आगामी रणनीति, समूह के संचालन, बचत को लेकर विचार विर्मष कर महिला मण्डल का गठन किया गया।

आभार महिला समिति द्वारा ग्राम रनगुवा मे महिला मण्डल का गठन करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे संस्था पदाधिकारी सहित लक्ष्य समुदाय की महिलाए उपस्थित रही। मीटिंग की शुरूआत परिचय सत्र के साथ ज्योति जी द्वारा की गई जिसमे उन्होने अपना परिचय देते हुए संस्था का परिचय और कार्यक्षेत्र के बारे मे बताया। बैठक मे महिलाओ के साथ सामूहिक चर्चा कर मण्डल के महत्व, उपयोगिता, अवाष्यकता और मण्डल फैडेषन के साथ जुड कर कैसे काम करेगा और मण्डल से जुडकर महिलाए कैसे आर्थिक रूप से सशक्त हो कर कार्य किया जा सकता है इसको लेकर चर्चा की गई।

बैठक मे महिलाओ ने अपनी समस्या को रखते हुए कहा कि हमारे यहां पर महिलाए समूह से जुडना नही चाहती है क्योकि उन्होने जो बचत के पैसे जमा हुए है वो उन्हे नही मिले है और जिन्होने उनका समूह बनाया है उन्होने उनके पैसे निकाल लिऐ है। जिस पर प्रदीप जी ने महिलाओ को समझाया और फैडेषन से जुडकर कैसे महिलाएं अपने ही पैसे से आगे बढकर काम कर सकती है इसके बारे मे बताया। साथ ही उन्होने अन्य दूसरे ग्राम के समूह के बारे मे भी बताया कि वे किस तरह से फैडेषन से जुडकर कार्य कर रही है। जिसे महिलाओ ने समझा और

अपना एक अलग से मण्डल तैयार कर आगे काम करने की बात कही। आगे महिलाओ ने अपना मण्डल तैयार करने के लिए अपना नाम प्रस्तावित किया और 50, 50 रूपये बचत भी जमा की।

ग्राम मे गठित की गई नरेगा समिति

प्रदीप जी ने बताया कि ग्राम स्तर पर नरेगा की समस्या को देखते हुए आपके ग्राम मे नरेगा गुप का गठन किया गया है। हम सभी को एक बार इस संगठन को सषक्त व मजबूत करने की आवष्यकता है जब संगठन एक बार ठीक व सही रुप में काम करने लगता है। तो धीरे धीरे समस्याऐ कम होने लगती है। इसके लिए आवष्यक है कि हम सभी लोग मिल कर अपने इस संगठन को मजबुत करे। आवाष्यक है कि हम अपने मण्डल की नियमित बैठक करे साथ ही आगामी किये जाने वाले कार्यो के बारे मे विधिवत् कार्ययोजना तैयार करे।

साथ ही उन्होने बताया कि हमारा जो ये मण्डल है ये सिर्फ नरेगा के अन्तर्गत ही काम नही करेगा बल्कि जो ग्राम मे हमारे अन्य जो मण्डल बने है उनके साथ भी मिलकर काम करेगे जैसे अभी हमारे ग्राम मे महिला मण्डल, किसान मण्डल और युवा मण्डल बनाये गये है इसके साथ जैसे कभी ग्राम विकास के मुद्दो को लेकर बात करनी है तो सभी मण्डल एवं संगठनो को मिलकर काम करना पडेगा। जैसे अभी 15 अगस्त को सभी ग्राम पंचायतो मे ग्राम सभा का आयोजन होने को प्रवाधान है लेकिन आज तक किसी भी पंचायत मे ग्राम सभा का आयोजन नही किया गया है। लेकिन इस बार आप सभी लोगो को ग्राम सभा का आयोजन कराना ये ग्राम सभा सभी ग्राम वासीयो एवं ग्राम विकास मे एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। क्योकि इसी ग्राम सभा मे तय किया जाता है कि आगामी समय मे ग्राम मे क्या–क्या कार्य किये जाना है।

आगे प्रदीप जी ने कहा कि आप लोगो को पिछली मीटिंग मे जो भी बताया गया था और जो नियमावली तय की गई थी उसी के अन्तर्गत काम करना है। और एक बात आवष्य ध्यान रखे की नरेगा के अन्तर्गत आपको लिखित आवेदन देना है साथ ही उसकी पावती भी अपने पास रखना है। इस प्रकार मीटिंग मे महत्व उसकी उपयोगिता और आवाष्यकता को लेकर चर्चा की गई। संगठन को सषक्त व मजबूत करने के लिए सदस्यो द्वारा विचार–विर्मष कर कुछ नियम तय किये गये–

ग्राम के निराश्रित लोगो को दिलाये गये राशन कार्ड

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ग्राम के ऐसे वर्ग समुदाय के लिए कार्य किया जा रहा है जो वास्तविक गरीब है या जिनको श्शासन की योजनाओ का लाभ नही मिल रहा ऐसे वर्ग समुदाय को जागरुक व सशक्त कर उनको समाज की मुख्य धारा से जोडना तथा योजनाओ का लाभ मिल सके ऐसा प्रयास करना ऐसा ही कार्य क्षेत्र के कुछ ग्रामो मे किया गया कि जिनके पास राशन कार्ड नही थे ऐसे लोगो को राशन कार्ड उपल्बध कराये गये साथ ही उनको शासन की जन कल्याण कारी योजनाओ से जोडा गया। साथ ही विकंलाग जनो को भी भी मिल गई वेसाखी ।

विकंलाग साथियो का किया गया सर्वे

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ब्लाक छतरपुर की 11 पंचायतो में कार्य किया जिसके अर्न्तगत ग्रामेंा में विषेश ग्राम सभाओ का आयोजन किया गया जिसमें कई ग्रामो के विंकलाग महिला पुरुष युवाओ ने वताया कि उनको शासन की जन कल्याण कारी योजनाओ का लाभ नही मिल पा रहा साथ ही कुछ लोगो के पास राशन कार्ड नही है तो कुछ के पास विंकलागता का प्रयाण पत्र जिस कारण उनको किसी भी शासकीय योजना का लाभ नही मिल पा रहा न ही मनरेगा मे कोई कार्य दिया जाता है। जिस कारण वह अपने आपको व परिवार मे हीन भावना से देखा जाता है । ऐसे मे आवश्यकता है की ऐसे वर्ग समुदाय के लोगो को योजनाओ का लाभ मिल साथ ही उनको स्वरोजगा के साथ आय सम्बधी स्त्रोत उपल्बध कराये जाये। संस्था द्वारा ऐसे ही प्रयास किये जा रहे है जिसमें लोगो स्वरोजगार प्रशिक्षण लघू रोजगार बैक फायनेय के साथ पंचायत एवं समाजिक न्याय विभाग का सहयोग निरन्तर मिल रहा है जिससे लोगो पेंशन कृतिम अगं के साथ बेसाखी ट्राई वितरण की गई।

जल सरक्षण आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा ग्रामो मे जल सरंक्षण को लेकर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जानकारी दी गई की जल के महत्व को लोग समझे साथ ही जल सरंक्षण किस तरह से किया जा सकता है की गरर्मी के समय पर जल त्रोस्त का जल स्तर कनमे लगता है या सूख जाता है इसके लिए हमे जल किस तर से बचाया जा सकता है साथ ही प्राकृतिक जल संनसाधनो की देख रेख करने को लेकर चर्चा की गई वताया गयाा की जहा पर लोग जल का उपयोग अधिक करते है उस स्थान पर सोखता गडडा होना चाहीए साथ ही अगर पानी अलग अलग जगह से बह रहा है तो हमेअ उसके लिए कच्चीा नाली वना कर पानी को एक स्थान पर रोकना होगा ताकी जो पानी वह रहा है उसको एक जगह पर एक्त किया जाये ताकी गरर्मी के समय पर वहा का जल स्तर कम न हो इसके साथ साथ ऐसे जल स्त्रोत जहा पर पानी अधिक है तो पेड पोधे लगाये ताकी पर्यावरण के साथ जल का सरक्षण हो सके साथ ही

प्राकृतिक जल स्त्रोतो का रख रखाव भी रखे ताकी आने वाले समय पर पानी की समस्या से निप्टा जा सके नही आने वाले समय पर अगला विशधुय पानी के लिए ही लडा जायेगा। इसलिए आवश्यक है कि पानी के महत्व को जाने व पानी के दुरउपयोग को रोकने का प्रयास करे ।

जागरुकता मिटिग घरेलू महिला हिसा अधिनियम

आभार महिला समिति द्वारा तय दिनांक एवं ग्राम मे महिला अधिकार जागरूकता मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमे संस्था पदाधिकारी ज्योति रैक्वार, साबिर खान, सविता सेन, कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप कुमार खरे, ग्राम के गठित महिला, किसान और युवा मण्डल के सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मीटिंग की शुरूआत परिचय सत्र के साथ की गई जिसमे प्रदीप जी ने कहा कि आप सभी लोग जानते है कि हमारा काम आप लोगो के बीच पिछले 05 सालो से चल रहा है। साथ ही हम लोग हमेशा महिलाओ को आगे लाने की बात करते है। इसी क्रम मे आज इस मीटिंग का आयोजन किया गया है।

जिस तरह समाज विकास के लिए महिला और पुरूष दोनो का होना आवाश्यक है उसी प्रकार एक परिवार को सही तरीके से चलाने के लिए दोनो की भागेदारी होना आवाश्यक है। लेकिन हमारे यहां पर पितृसत्तामक व्यवस्था होने के कारण आप लोग स्वयं इस बात को जानते है कि

समाज मे महिलाओ महत्व और भागेदारी क्या है। आज समाज मे समाजिक भेदभाव के चलते महिलाओ को उनके अधिकार और सम्मान नही दिये जाते है और न ही बराबरी का दर्जा दिया जाता है जैसे घर के बेटो और बेटियो के साथ अलग तरह का व्यवहार किया जाता है। जिसके कारण आज महिलाओ की स्थिति क्या है इस बारे आप और हम अच्छे तरह से जानते है।

लेकिन इस पितृसत्तामक व्यवस्था के कारण महिलाओ भी अपने अधिकारो और अपने हक की लडाई के लिए आगे नही आती है साथ ही उनके भी मन मे ये बात अच्छे से बैठ चुकी है कि ऐसा ही होता है। लकिन हमे इस सोच का बदलनी होगी महिलाओ को भी अपने अधिकारो का उपयोग करने और समस्त महत्वपूर्ण बातो मे अपनी भागेदारी देने का हक है। जैसे जमीन बेचने और खरीदने जैसे बातो मे महिलाओ की सहमति उतनी ही आवाश्यक है जितनी कि पुरूष की।

आज के समय मे भी बहुत सी ऐसी महिलाए है जो आय दिन घरेलू हिंसा का शिकार होती है और फिर भी स्वयं और अपने परिवार का संजोने के प्रयास मे लगी रहती है उन्हे लगता है कि हमारा घर न टूटे। लेकिन इस समय ये बात सोचने कि है कि क्या घर केवल महिला का ही है क्या पुरूष को उसको बनाये रखने की कोई जिम्मेदारी नही है। यदि महिलाओ की तरह पुरूष भी परिवारिक जिम्मेदारी मे सहयोग करने लगे तो इसका परिवार अच्छे से चलने लगेगा। आज महिलाऐ केवल घर के काम और मनोरंजन का साधन मात्र नही है बल्कि परिवार मे महिलाए एक पुरूष से ज्यादा भूमिका निभाती है और पूरे परिवार को एक मकान से घर बनाने का प्रयास करती है। इसलिए हम लोगो को भी प्रयास करना चाहिए कि महिलाओ अपने सभी महत्वपूर्ण निर्णय और कार्यो मे शामिल करने और उन अवसर प्रदान करे। साथ ही जब भी कोई परिवारिक जिम्मेदारी के निर्णयो की बात हो तो उसमे अपने परिवार की महिलाओ को भी आवाश्य शामिल करे।

महिलाओ के लिए शासन द्वारा बहुत सारे कानून महिलाओ के सरंक्षण और अधिकारो के लिए दिये गये है लेकिन वह तभी उपयोगी है जब उनका प्रयोग महिला अपने संरक्षण के लिए करे जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 ये एक ऐसा कानून है जो महिलाओ को घरेलू हिंसा से पीडित उनको इस कानून के अन्तर्गत संरक्षण दिया जाता है। साथ ही महिलाओ के भी बहुत से अधिकार है जिनका उपयोग कर वे अपने अधिकारो की मांग शासन से कर सकती हैं जैसे सम्पत्ति का अधिकार इस अधिकार के अन्तर्गत परिवारिक भूमि पर जितना अधिकार पुरूष को है उतना ही महिलाओ को भी।

आयोजित किये गये राष्टीय दिवस कार्यक्रम

आभार महिला समिति छतरपुर द्वारा कार्यक्षेत्र के ग्रामो मे राष्टीय कार्यक्रम दिवस कार्यक्रमो का आयोजन किया गया जिसमे वताया गया कि भारत देश मे कई दिवस व जैन्यती मनाई जाती है पर आज तक लोगो को यह नही मालूम नही है कि यें दिवस क्यो मनाये जाते है ।जिस पर शासन के लाखो रुपयें व्यय करती है पर आप लोगो को इनकी जानकारी नही है। आज की मिटिग मुख्य रुप से इसी को लेकर की जा रही है कि आप को इन दिवसो के वारे मे वताया जाये और आप इनके पीछे क्या राज है मालूह हो जिस पर हमारे देश के लाखो लोंगो ने अपना बलिदान दिया और आज हम लोग खुली आजादी के साथ रह रहे है। जिन्हे हम 26 जनवरी/15 अगस्त/सुभाष चन्द्र वोस जैन्यती वाल दिवस/एडस दिवस/नशा मुक्ति दिवस/जैसे हजारो दिवस इस देश मे मनाये जातें है। जिन्हे हम राष्टीय दिवस के रुप मे मनाये जाते है।

धन्यवाद